



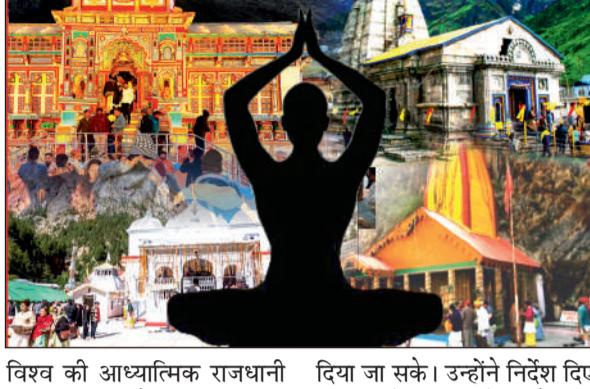
## स्टेट ब्रीफ

# प्रधानमंत्री के सुझावों के अनुरूप बनाएं ठोस कार्ययोजना: धामी

मुख्यमंत्री धामी ने दिए प्रधानमंत्री मोदी के सुझावों पर दोडगैप तैयार करने के निर्देश

- उत्तराखण्ड विश्व की आधारिक राजधानी बनाने की कागद
- हर क्षेत्र में प्रधानमंत्री मोदी की मंशा के अनुरूप काम हुआ शुरू

मुख्य संचादकाता, देहरादून



**अमृत विचार:** उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए सुझावों को राज्य सरकार ने आगामी 25 वर्षों के विकास रोडमैप की आधारशिला मानते हुए उन पर प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने संवर्धित विभागों के अधिकारियों को लेकर रामनगर के अटल लोगों के द्वालकाम दर्शन कराया गया है। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से हड़कम्प महा हुआ है। प्राधिकरण के अवर अधियात्रा रोहित विठ्ठल ने पुलिस में आफू, राशिद, अमृप, शहजाद, रियाज, आलोक, फरजाना, शहजाद के विभागों के अधिकारियों को भवन में आवाजूद जारी जारी रखने की शिकायत की है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि विभागों को भवन में आवाजूद कर दिया गया है।

**प्राधिकरण ने कराया आठ लोगों पर मुकदमा**  
रामनगर: जिला विकास प्राधिकरण क्षेत्रीय कार्रवाई हल्द्वानी द्वारा रामनगर कोतवाली में निर्माणधीन भवन को लेकर रामनगर के अटल लोगों के द्वालकाम दर्शन कराया गया है। प्राधिकरण की इस कार्रवाई से हड़कम्प महा हुआ है। प्राधिकरण के अवर अधियात्रा रोहित विठ्ठल ने पुलिस में आफू, राशिद, अमृप, शहजाद, रियाज, आलोक, फरजाना, शहजाद के विभागों के अधिकारियों को भवन में आवाजूद जारी जारी रखने की शिकायत की है। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि विभागों को भवन में आवाजूद कर दिया गया है।

1

2

3

4

5

6

7

8

9

10

11

12

13

14

15

16

17

18

19

20

21

22

23

24

25

26

27

28

29

30

31

32

33

34

35

36

37

38

39

40

41

42

43

44

45

46

47

48

49

50

51

52

53

54

55

56

57

58

59

60

61

62

63

64

65

66

67

68

69

70

71

72

73

74

75

76

77

78

79

80

81

82

83

84

85

86

87

88

89

90

91

92

93

94

95

96

97

98

99

100

101

102

103

104

105

106

107

108

109

110

111

112

113

114

115

116

117

118

119

120

121

122

123

124

125

126

127

128

129

130

131

132

133

134

135

136

137

138

139

140

141

142

143

144

145

146

147

148

149

150

151

152

153

154

155

156

157

158

## सिटी ब्रीफ

अल्मोड़ा में तैनात पुलिस कांस्टेबल की मौत

हल्द्वानी : अल्मोड़ा में तैनात सिपाही की मौत हो गई। पुलिस ने पोर्समटम के बाद शब परिजनों को शोपिंग दिया। पुलिस के मुताबिक, शाति विहार कालानी गंगी नदी के 3 रुद्रपुर निवासी निवेद डंडरियाल (40 वर्ष) पुलिस विभाग में कांस्टेबल के पद पर तैनात थे और बैमान में अल्मोड़ा जिले के दर्या में तैनात थे। पिछले कुछ समय से वह बीमार थे। अंधेर अवस्था में बैमान को उड़वे ठंडे, शुष्णील तिवारी राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई।

दिशा की बैठक 13 को

हल्द्वानी : जिला विकास समन्वय एवं नियमिती समिति (दिशा) की बैठक सापर अजय भट्टी की अधिकाता में 13 नवंबर को कालानी राजित राजित हाउस विभाग में सुखन 9:30 बजे अंधेरा शोभागार में सुखन 9:30 बजे शुरू होगी। यह जानकारी सीडीओ अनामिका ने दी।



जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और जल स्रोत सूखने की वजह से प्रवासी पक्षियों की आमद में देखी जा रही है कर्मी

चिंता की बात : उत्तराखण्ड के पहाड़ों से दूरी बना रहे प्रवासी पक्षी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : पहाड़ से अब सिर्फ इंसानों का नहीं बल्कि मेहमान परिवों का भी 'पलायन' शुरू हो गया है। जंगलों में मानवीय दखल व अंधाधुंध कटान, प्रदूषण से हिमालयी राज्य से पक्षियों को मोह कम हो रहा है। इस वर्ष प्रवासी पक्षियों की संख्या में खासी विशेषज्ञों को उम्मीद है कि सर्दी बढ़ने पर इन मेहमानों की संख्या भी बढ़ सकती है।

वन अधिकारियों के अनुसार, उत्तराखण्ड में प्रवासी पक्षियों की आमद हर वर्ष अक्टूबर से मार्च के बीच में होती है। ये पीछी मध्य

पश्चिया, यूरोप और साइबेरिया जैसे क्षेत्रों से आते हैं। इनमें गैडवाल, यूरेशियन विजन, टप्पड डक और सुर्खाव जैसे प्रवासी पक्षियों की संख्या में वृद्धि होती है। इन पक्षियों के शिकार का खतरा रहता है, इसलिए हर वर्ष वन विभाग

की ओर से इन प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा के लिए जलाशयों में विशेषज्ञ पैदल-बोट से गश्त कराई जाती है तो चर्पे-चर्पे पर दूरबीन से निगेहबानी की जाती है। जलाशयों, नदियों के आसपास हर

पलायन के कई प्रकार होते हैं लैकिन इस बार सदियों पूरे एक-डेढ़ माह लेते हैं, इस वजह से पहाड़ पर सर्दी में आने वाले पक्षियों की कमी आई है। वैसे भी पिछले एक-दो वर्षों में प्रवासी पक्षियों की संख्या में कमी आई है। इसके लिए वन विभाग की ओर से एक अध्ययन की जरूरत है जिसमें पक्षियों की संख्या में विरावट है। अभी सर्दी बढ़ने का इंतजार हो सकता है। -एंजी अंसारी, पक्षी विशेषज्ञ

अट्टूर-नवंबर तक खासी संख्या में प्रवासी पक्षियों की संख्या में विरावट है। अभी सर्दी बढ़ने का इंतजार है, तब समाजों के पक्षियों की संख्या में वृद्धि होती है।

-प्रकाश चंद्र आर्य, एलिक्टो तराई पश्चिमी वन डिवीजन

समय वन टीमें मौजूद होती हैं। इनी के साथ भी वन विभाग सर्वे करता है ताकि इन प्रवासी पक्षियों की आमद का एक वैधानिक रिकॉर्ड तैयार हो सके।

इधर, इस वर्ष पहाड़ में प्रवासी पक्षियों की आमद में खासी विरावट है। अक्टूबर से पहुंचने वाले प्रवासी पक्षी नवंबर को दूसरी

हफ्ता बीती को छैं लैकिन उनकी चहचाहत नहीं सुनाई दे रही है। विशेषज्ञों की माने तो हिमालयी राज्य उत्तराखण्ड में विकास की अंधाधुंध दौड़ में वनों का तेजी

इलांकि वन अधिकारियों को लैकिन उनकी संख्या में वृद्धि होती है। अल्मोड़ा है कई उम्मीद है कि सर्दी में सख्ती में तेजी आप एं और साथ ही नियमों का पालन नहीं होने पर कुछ जाह कारबाई भी की गई। मैटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे गए और साथ ही नियमों का पालन नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में तेजी आप एं और साथ ही नियमों का पालन नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में तेजी आप एं

की गई। विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

आंकड़ों पर गैर करें तो पूर्व

में अट्टूर-नवंबर तक कई

प्रजातियों के सैकड़ों पक्षियों के

झूंड के झूंड दिखाई देते थे लैकिन

जाह कारबाई भी कई

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में तेजी आप एं

की गई। विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में तेजी आप एं

की गई। विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में तेजी आप एं

की गई। विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

जाह मेटिकल स्ट्रोरों पर छापे मारे

गए और साथ ही नियमों का पालन

नहीं होने पर विशेषज्ञों की संख्या में वृद्धि होती है।

## सिटी ब्रीफ

मुनि शुकदेव के जन्म  
की कथा सुनाई

हल्द्वाँड़ी: हल्द्वाँड़ी स्थित पालाशेरव महादेव मंदिर हिन्दू बाबा आश्रम में चल रही श्रीमद् भगवत् कथा के दौरान कथावाचक आयोजन बसल लूलभ पांडे ने मूल शुकदेव और राजा परीक्षिक के जन्म की कथा का अत्यन्त मनोहरी वर्णन किया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं को भाव-विभाव कर दिया और कथा में असूत उत्साह भर दिया। उहाँने भगवान भोलेनाथ द्वारा माता पार्वती को अमरनाथ की पवित्रिया गुमा में अमर कथ सुनाए जाने का दिव्य प्रसान् भी सुनाय। बाबा हरिहर, मंदिर के प्रधान बुजुर्जी राकेश पाटक, विद्यालय महान विट की पत्नी चंदिका विट, दिव्या जोशी, कैटन मिरीश जोशी, भूमन पांडे, खीमानंद पांडे, केशव पांडे रहे।

**नाबालिंग को स्कूटी देने पर वाहन स्वामी पर केस नैनीताल: तल्लीताल-पुलिस ने एक नाबालिंग को वाहन चालते पकड़ दिया। पुलिस ने वाहन स्वामी पर केस दर्ज कर दिया है। तल्लीताल एसुओ भोजन नयाल ने बताया कि वीते रविवार को घोकिं के दौरान नैनीताल-भवाली रोड पर एक स्कूटी भारी चाला को रोका। चालक से ड्राइविंग लाइसेंस दिखाने को कहा तो वह नहीं दिखा पाया। उसने अपनी उम्र भी 17 वर्ष बताई और कहा कि उसने स्कूटी हाँचे कुमार से एक हजार रुपये में किया पर ली है। इं-चालन किया तो पता चला कि स्कूटी आलूखेत नियासी हाँचिंत कुमार के नाम पंजीकृत है। वाहन सीज कर स्कूटी स्पायी के खिलाफ केस दर्ज कर दिया है।**

## पुराने भवनों का फायर सेप्टी ऑडिट होगा जीतकर लौटी खो-खो टीम का जोरदार स्वागत

आईजी कुमाऊं ने दिए नैनीताल समेत सभी जिलों में पुराने बाजारों के फायर सेप्टी ऑडिट के निर्देश।

जाड़ों में अग्निकांड से निपटने को दमकल व पुलिस अलर्ट

गोरख जोशी, नैनीताल

**अमृत विचार:** सार्दियों के मौसम की शुरुआत के साथ ही जाड़ों के दौरान आग लाने की घटनाओं में इजाफा होता देख अब दमकल और पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क मोड़ में आ गया है। आगजनी से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए पुलिस ने सभी जिलों को अलर्ट जारी किया है।

आईजी कुमाऊं रिडिम अग्रवाल ने निर्देश दिए हैं कि नैनीताल, हल्द्वाँड़ी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत और ऊधमसिंह नगर सहित पूरे कुमाऊं मंडल के पुराने और चालने वाले बाजारों में बने भवनों का फायर सेफ्टी ऑडिट तकाल कराया जाए। उहाँने कहा कि कई बाजार और भवन दशकों पुराने हैं, जिनमें लकड़ी और टिन की छतों वाले दांचे अब भी मौजूद हैं। ऐसे में जरा सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। लिहाजा सुरक्षा में लापरवाही बर्बाद नहीं होगी। सर्दी के मौसम में आग की घटनाएं बढ़ना आम बात है, लेकिन सतर्कता और तैयारी से इन्हें



रामगढ़ में गन्ने के खेत में लगी आग बुझाते फायरकर्मी। ● अमृत विचार

## फायर एक्सटिंगिशर की उपलब्धता के निर्देश

आईजी कुमाऊं ने विद्युत शार्ट सर्किट रोकने को बिजिट विभाग के साथ संयुक्त नियोजन करने को कहा। उहाँने सभी जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जाड़ों में रात के समय बाजार व गोदाम क्षेत्रों में गश्त बढ़ाव जाए। पुराने बाजारों जैसे नैनीताल भालौर, तल्लीताल-मल्लीताल क्षेत्र, हल्द्वाँड़ी का रोडेंज बाजार और बाजार क्षेत्रों का लाला बाजार जैसे क्षेत्रों में प्रेट्रोलिंग बढ़ाने को कहा।

काफी हद तक रोका जा सकता है। पुराने भवनों और बाजारों का फायर ऑडिट अनिवार्य रूप से

## दमकल विभाग को हाई अलर्ट पर रखा गया

फायर बिभाग की सभी यूनिटों को अलर्ट कर दिया गया है। नैनीताल जिला मुख्यालय से लेकर हल्द्वाँड़ी, रामनगर, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक सभी फायर स्टेशन फोर्स तैयार रहने को कहा है। साथ ही अग्नि सुरक्षा उपकरणों को भी तैयार रखना को कहा है। दमकल विभाग को निर्देश दिए हैं कि घनी आबादी और बाजार क्षेत्रों में फायर ड्रिल कराई जाए।

किया जाएगा, और जहां नियमों का पालन नहीं होगा वहां संख्या कार्रवाई की जाएगी।

## तीन बीघा में खड़ी गन्ने की फसल जलकर राख

संवाददाता, रामनगर

**अमृत विचार:** रामनगर के जीतुर टांडा गांव में सोमवार दोपहर एक खेत में खड़ी गन्ने की फसल में अचानक आग लग गई। इस घटना में लगभग तीन बीघा फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर को जीतुर टांडा गांव में शांकरा देवी पत्नी रामस्वरूप के गन्ने के खेत में लगी थी। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल रही थी, जिससे आसपास के खेतों को भी खाली पैदा हो गया था।

आग की लापत्र उठाई देख रही देख स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस और दमकल विभाग को दिया। रामनगर के लाला बाजार जैसे लोकों में प्रेट्रोलिंग बढ़ाने को कहा।

प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि हीटर, अंगीठी या गैस हीटर का इस्तेमाल करते समय सावधानी

की एक टीम उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई। फायर यूनिट की टीम ने तुरंत बुझाने की कारबाई शुरू की और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। इस घटना में लगभग तीन बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर को जीतुर टांडा गांव में शांकरा देवी पत्नी रामस्वरूप के गन्ने के खेत में लगी थी। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल रही थी, जिससे आसपास के खेतों को भी खाली पैदा हो गया था। तेज हवा के कारण आग के कारणों का साध्य प्रभावित होता था, जिससे जनजीवन प्रभावित होता था। बताते चले कि कुछ समय पूर्व प्रतीत्य उद्योग व्यापार मॉडल के कुमाऊं सह प्रभारी की शुरूआत जाम लगा रही था, जिससे जनजीवन प्रभावित होता था। बताते चले कि कुछ समय पूर्व प्रतीत्य उद्योग व्यापार मॉडल के कुमाऊं सह प्रभारी अखिलेश सेमेवाल ने इस समस्या के उल्लंघन के बावजूद जाम लगा रही था। उहाँने पुल की भार क्षमता बढ़ाने और डबल लेन से बदलने में बदलने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

ईंलीनिवि भवाली कृष्ण कुमार ने जानकारी दी कि इस योजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए विस्तृत परियोजना का प्रयोग तैयार कर ली गई है। तकनीकी टीम द्वारा पुल

के लिए उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए धर्म बाल विभाग व्यापार और खेल अधिकारी निर्वाचित पांत, अपर खेल अधिकारी वर्षण बेलवाल, स्पोर्ट्समंपद विभाग के सचिव गोविंद पांडे, कोच मनमोहन बेसेडा, राजेश विट, सूरज सैनी, नगर पालिका अध्यक्ष रख्या कलाधिगी के लौटने पर सोमवार को कालाधिगी स्थित राइका मैदान के लिए उत्तरांचल विभाग के अधिकारी से खेल रसिकों के लिए उत्तरांचल विभाग के अधिकारी सुशील कुमार के अनुसार, आग लगने के कारणों का साध्य प्रभावित होता था, जिससे जनजीवन प्रभावित होता था। बताते चले कि कुछ समय पूर्व प्रतीत्य उद्योग व्यापार मॉडल के कुमाऊं सह प्रभारी अखिलेश सेमेवाल ने इस समस्या को उल्लंघन के बावजूद जाम लगा रही था। उहाँने पुल की भार क्षमता बढ़ाने और डबल लेन से बदलने में बदलने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

ईंलीनिवि भवाली कृष्ण कुमार ने जानकारी दी कि इस योजना को जल्द से जल्द धरातल पर उतारने के लिए विस्तृत परियोजना का प्रयोग तैयार कर ली गई है। तकनीकी टीम द्वारा पुल

के लिए उपकरणों के साथ मौके के लिए रवाना हुई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए धर्म बाल विभाग व्यापार और खेल अधिकारी निर्वाचित पांत ने एक घंटे की कारबाई शुरू की और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। इस घटना में लगभग तीन बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए धर्म बाल विभाग व्यापार और खेल अधिकारी निर्वाचित पांत ने एक घंटे की कारबाई शुरू की और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। इस घटना में लगभग तीन बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए धर्म बाल विभाग व्यापार और खेल अधिकारी निर्वाचित पांत ने एक घंटे की कारबाई शुरू की और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। इस घटना में लगभग तीन बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसान को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए धर्म बाल विभाग व्यापार और खेल अधिकारी निर्वाचित पांत ने एक घंटे की कारबाई शुरू की और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। इस घटना में लगभग तीन बीघा गन्ने की फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसान को लाखों रुपये क



## सिटी ब्रीफ

आंगनबाड़ी योजनाओं  
को सूचना पट पर  
चर्चा करने की मांग

सितरामेंज़ोः आजाद समाज पार्टी  
जिलाध्यक्ष सलद कुमार के नेतृत्व में  
भीम आर्मी कार्यकारीओं ने आंगनबाड़ी  
केंद्रों में योजना को सार्वजनिक कर  
सूचना पट में डर्ज करने की मांग की है।  
सोमवार को एसडीएम को सौंपे ज्ञापन  
में कहा है कि आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषक  
समग्री के वितरण को लेकर तमाम  
शिक्षकों में खिलाफ रह जाते हैं। योजनाओं के  
अन्तर्गत पोषक समग्रियों की जानकारी  
लाभार्थियों को नहीं दी गयी है। जिस  
कारण कई लाभार्थी पोषक समग्री से  
विचरण रह जाते हैं। योजनाओं के  
केंद्रों में प्रारंभिकता लाने के लिए सूचना  
पट पर योजनाओं को सार्वजनिक करने  
की मांग की।

कच्ची शराब के साथ  
आरोपी गिरफ्तार

गदरपुर: गदरपुर यूनिस ने गूलरभोज  
डॉम के किनारे पर होटल के पास से  
71 पाँच कच्ची शराब बरामद की है।  
योगी प्रधान गुलरभोज दीवाना सिंह  
विष्ट ने बताया कि, मुख्यमंत्री की सूचना  
पर कच्ची शराब बरामद की गई और  
आरोपी अकिंठा नीमी निवासी वाई नवर  
4 गूलरभोज को हिरासत में लिया  
गया। आरोपी को खिलाफ अवाकाशी  
अधिनियम में अधिकारी पंजीकृत कर  
अधिग्रहण कार्यवाही की जा रही है।

## ...तो निजी सीवर टैक वाहनों पर होगी कार्रवाई

मुख्य विकास अधिकारी ने दिए निर्देश-शत-प्रतिशत सरकारी व निजी सीवर टैक वाहनों का निकायों में पंजीकरण किया जाए। साथ ही उनमें जीपीएस अवश्य लगवाया जाए। ताकि उनकी निवासी की जा सके। उन्होंने कहा कि जो निजी सीवर टैक वाहन पंजीकरण न कराकर कार्य कर रहे हैं उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए सोज किया जाए।

सोमवार को यह निर्देश मुख्य विकास अधिकारी ने कलेक्टर सभागर में आयोजित जिला गांगा समिति की बैठक में अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि नदी नालों को स्वच्छ रखना हम सबको जिम्मेदारी है। इसलिए सीवर टैक वाहन एसटीपी में ही सीवर डाला, अन्य जगह सीवर डालने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने निकाय अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क के किनारे कहीं भी कूड़ा डाला नजर न आये। इस के लिए कार्यवाही नाला बनाकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि लिंगसो वेस्ट को नियमित निस्तारण कराते रहें, कहीं भी कूड़ा डम्पन किया जाए। उन स्थानों को चिन्हित कर फोटोग्राफ भेजें। उस स्थान पर



अधिकारियों के साथ बैठक करते सीडीओ दिवेश शाश्वी। ● अमृत विचार

बैठक में ये अधिकारी  
रहे मौजूद

रुद्रपुर: गृहीत योग्यी योग्यी तिवारी, अधिकारी अधिकारी पेंजियल नियम सुनील जोशी, सिंचाई एस नेही, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एसपी सिंह, सहायक नगर आयुक्त राज नवीरायल, अधिशासी अधिकारी नाम प्राप्ति गुरुमीत सिंह, प्रियंका रेकवाल, प्रतिभा कोहली, दीपक कुमार शर्मा, मनोज दास, राकेश कौटिया, संजय कुमार, राजकुमार भारती, नमित सद्यरा डॉ. अशुषोष पत आदि मौजूद रहे।



किछी डिग्री कॉलेज में छात्रों को जानकारी देते वक्ता। ● अमृत विचार

छात्रों ने कई सांस्कृतिक  
कार्यक्रम प्रस्तुत किए

संवाददाता, किछा

महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. नरेश कुमार सहित अतिथि के रूप में घुर्चे एसएसआई राजेंद्र प्रसाद, एसआई मनोज कुमार, एसआई जगदीश सिंह ने विजेताओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अवसर पर समापन हो गया। स्थान पर दिवस की रुच जयंती के अवसर पर अतिथियों द्वारा नरेश कुमार ने उत्तराखण्ड राज्य स्थान पर दिवस की रुच जयंती के अवसर पर अतिथियों को स्मारणिक संस्थानों में नियमित नियोजित करें विजेता प्रतिभागियों को स्मारणित करें। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जनपद में संचालित होटलों का पंजीयन कराने के लिए नियंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि जो होटल स्थानीय पंजीयन नहीं करा रहे हैं उन्हें नोटिस भेजने के निर्देश दिए।

पंजीकरण नहीं कराने वाले होटल स्वामियों को  
भेजें नोटिस, संस्थानों में नियमित नियोजित करें

रुद्रपुर: सीडीओ ने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारी को निर्देश दिए कि औद्योगिक संस्थानों में नियमित नियोजित करें विजेता प्रतिभागियों को स्मारणित करें। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को जनपद में उत्तराखण्ड की स्मारणित करें। उन्होंने कहा कि जो होटल स्थानीय पंजीयन नहीं करा रहे हैं उन्हें नोटिस भेजने के निर्देश दिए।

पर एफएसटीपी प्लाट लगाने के लिए अधिशासी अधियत्तम पेंजियल नियम, उप जिलाधिकारी, निकाय अधिकारी व वनाधिकारी को संयुक्त नियोजित कर प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करने के लिए नियंत्रण दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने

गंगा की सहायक नदी गौला

व कोसी नदी के बाढ़ क्षेत्रों

की जोनिंग करते हुए उनमें

परिसंपत्तियों का अंकलन कर

रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए नियंत्रण

दिए। चिकित्सालयों से प्रतिदिन

निकलने वाला बायोमेडिकल

वेस्ट का मानकों के अनुसार

नियोजित कराने के लिए नियंत्रण

दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने नियमों का

सज्जी से पालन करने को कहा।

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के गाइड

लाइनों का अनुपालन करने के

नियंत्रण दिए। उन्होंने कहा कि जीवनों का

सभी विभागीय अधिकारियों को

नमामि गंगे व एनजीटी के ग









मुख्य शिष्य को पदाने पर, दूष स्त्री के साथ जीवन  
जिताने पर तथा दुःखियों-रोगियों के बीच में रहने पर  
विदान व्यक्ति भी दुखी ही हो जाता है।  
- स्वामी विवेकानन्द

## आतंक का नया चेहरा

गुजरात एटीएस द्वारा हाल ही में उजागर की गई आतंकी साजिश देश की आंतंकिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए एक गंभीर चेतावनी है। प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि इस साजिश का निशाना लखनऊ स्थित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का कार्यालय था। यदि यह सत्य सिद्ध होता है, तो यह घटना केवल किसी संगठन पर हमला नहीं, बल्कि देश की वैचारिक और सामाजिक संरचना को अस्थिर करने की कार्रवाई कही जाएगी। एटीएस के अनुलेख, पकड़े गए आरोपियों में एक डॉक्टर शामिल है, जिसने चीजें से पढ़ाई की और प्रयोगशाला में रिसिन नामक घातक जैविक जहर का परीक्षण भी किया। यह जहर हो, जिसे लेकर अमेरिका में बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ सजिश आतंकी हो गई थी। रिसिन का काफ़ी तांत्रिक नहीं है और इसका प्रयोग आतंकिक जैविक हथियार के रूप में किया जाता है। देश में इसका निर्माण या प्रयोग हुआ होता, तो यह सबसे भीषण आतंकी घटना का रूप ले सकती थी। एटीएस के शक के स्राविक यदि इस जहर हो प्रसाद में मिला दिया जाता, तो हजारों मौतें होती तथा धार्मिक सौहार्द छिन्न-भिन्न होने के अलावा वर्ग विशेष के प्रति भयानक दहशत फैल जाती। इस खुलासे के बाद लगता है कि कुछ कठुरंगी समूह पारंपरिक विस्मोटक या बंदूक की बजाय रासायनिक और जैविक हथियारों की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। आतंकिक जैविक रूप लेना जा रहा है। आतंक का चेहरा साइबर, रासायनिक और वैचारिक रूप समय से आतंकी संगठनों के निशाने पर रहे हैं। कारण है नए राज्यों की आवाज, धार्मिक-सांस्कृतिक विविधता और राजनीतिक महत्व।

पिछले कुछ वर्षों में आतंकीयों की साजिशों का ग्राफ़ बढ़ा गई था, जो गृह मंत्रालय और खुलासा तोंकी संजगता की परीक्षा है। इस घटना को विभाग की "संतरता में कमी" कहना उचित नहीं होगा, सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को इस खुलासे को "एक अकमिक साजिश" नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा राजनीति की समीक्षा का अवधार माना जाना चाहिए। असल चुनौती तो आतंक की बदलती प्रकृति को समझने और उससे पहले कदम उठाने की है। जरूरत है कि हम विदेशी शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त संदर्भों की व्यापक प्रोफाइलिंग करने के अलावा जैविक और रासायनिक हथियारों से जुड़ी निपारणी प्रणाली को मजबूत करें। इसके साथ धार्मिक आयोजनों और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा जांच को आधुनिक बनाने और साइबर इंटीलेजेंस नेटवर्क को पुनर्गठित करने की भी आवश्यकता है। पारंपरिक आतंक से लड़ाई में हालांकि अब तक उल्लेखनीय सफलता पाई है, लेकिन यह नया खतरा तकीयों की और वैचारिक दोनों स्तरों पर रह जाता है। इसलिए इसे बाल पुलिस या एटीएस का विनाश नहीं माना जा सकता। यह राष्ट्र की सामूहिक संरक्षण और नीतिगत तत्वरक्त की परीक्षा है। इस बारे, लापवाही की कोई गुंजाइश नहीं। आरएस या अन्य हिंदू संगठनों के वैचारिक एवं कार्य सक्रियता इस्तमाक आतंकियों को भड़काती है, यह तर्क अध्यात्मा और खतरनाक है। किसी राजनीतिक या धार्मिक मतभेद के कारण काई समूह आतंक की रह पकड़ता है, तो वह लोकतंत्र की आत्मा को नष्ट करने का प्रयास करता है। इसका कड़ा

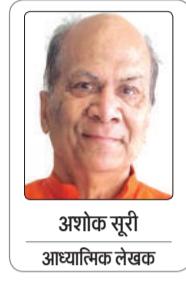
### प्रसंगवद्धा

## सदैव प्रासंगिक रहेंगी मौलाना आजाद की शिक्षा नीतियां

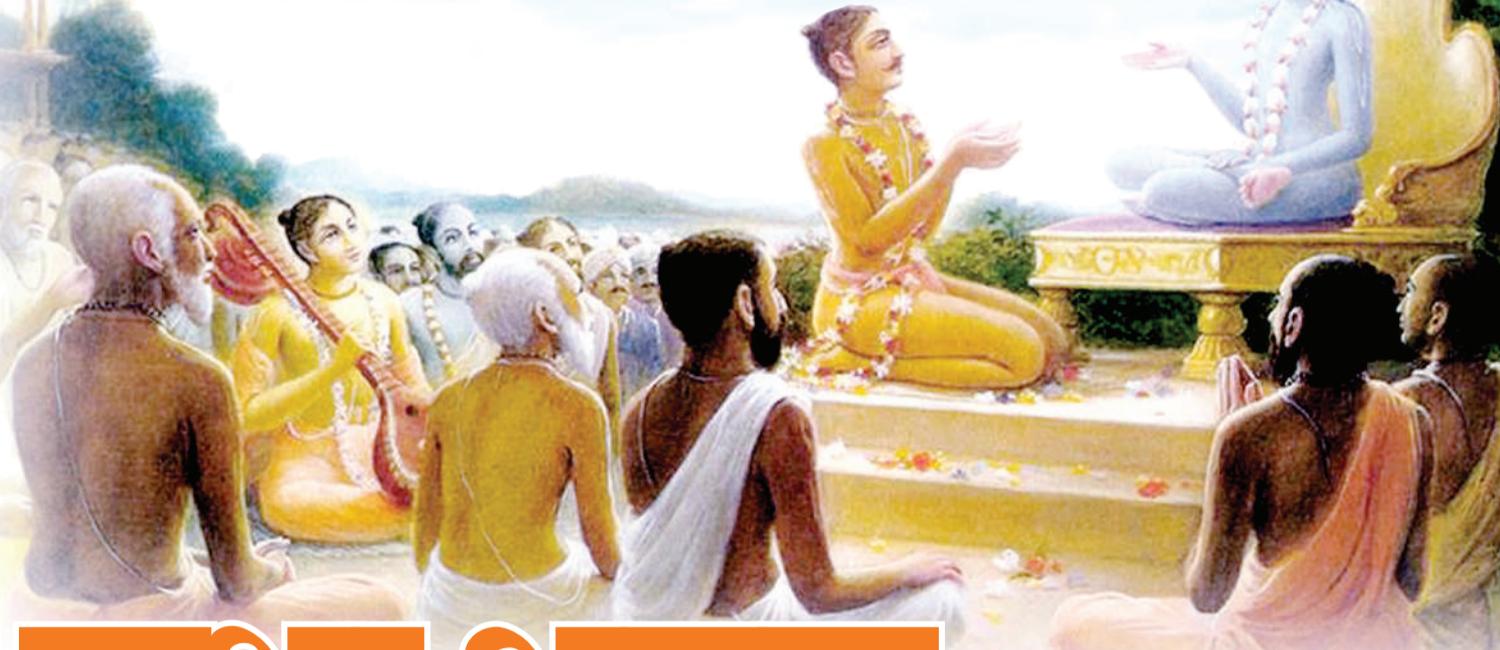
शिक्षा का मानव जीवन में विशेष महत्व है, जिसके बल पर इंसान अपने पूरे जीवन को बदल सकता है। वर्ष 2008 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 11 नवंबर को 'राष्ट्रीय शिक्षा दिवस' के रूप में घोषित किया गया था, तभी से यह दिन गण्डी शिक्षा दिवस के रूप में जाना जाता है, जिसका उद्देश्य सभी को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। यह दिन विशेषरक पर लोगों को शिक्षा को उनके जीवन में महत्व बढ़ाने के लिए समर्पित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयती के उल्लक्ष में मानव जीवन तो ही जारी रखा है। 11 नवंबर 1888 को मूकवा में जन्मे मौलाना आजाद न केवल एक विदेशी थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी रहे। यह दिन विशेषरक आतंकीयों को उन्होंने निपारण किया। मौलाना आजाद ने एक बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मूकवा से भारत आतंक के बाद आजाद ने एक विदेशी थे, बल्कि वैचारिक एवं सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका प्रकारिता के प्रति भी विशेष रुझान था। उन्होंने कई प्रतिकाओं का संपादन किया और अपने ग्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसका माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय अंदाजेनाम को दिया। उन्होंने काफ़ी लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में जारी रखा। यह दिन विशेषरक पर लोगों को शिक्षा को उनके जीवन में जारी रखने के लिए प्रसारित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयती के उल्लक्ष में मानव जीवन तो ही जारी रखा है। 11 नवंबर 1947 को मूकवा में जन्मे मौलाना आजाद ने एक बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मूकवा से भारत आतंक के बाद आजाद ने एक विदेशी थे, बल्कि वैचारिक एवं सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका प्रकारिता के प्रति भी विशेष रुझान था। उन्होंने कई प्रतिकाओं का संपादन किया और अपने ग्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसका माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय अंदाजेनाम को दिया। उन्होंने काफ़ी लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में जारी रखने के लिए प्रसारित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयती के उल्लक्ष में मानव जीवन तो ही जारी रखा है। 11 नवंबर 1888 को मूकवा में जन्मे मौलाना आजाद ने केवल एक विदेशी थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी रहे। यह दिन विशेषरक आतंकीयों को उन्होंने निपारण किया। मौलाना आजाद ने एक बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मूकवा से भारत आतंक के बाद आजाद ने एक विदेशी थे, बल्कि वैचारिक एवं सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका प्रकारिता के प्रति भी विशेष रुझान था। उन्होंने कई प्रतिकाओं का संपादन किया और अपने ग्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसका माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय अंदाजेनाम को दिया। उन्होंने काफ़ी लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में जारी रखने के लिए प्रसारित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना आबुल कलाम आजाद की जयती के उल्लक्ष में मानव जीवन तो ही जारी रखा है। 11 नवंबर 1888 को मूकवा में जन्मे मौलाना आजाद ने एक बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मूकवा से भारत आतंक के बाद आजाद ने एक विदेशी थे, बल्कि वैचारिक एवं सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका प्रकारिता के प्रति भी विशेष रुझान था। उन्होंने कई प्रतिकाओं का संपादन किया और अपने ग्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसका माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय अंदाजेनाम को दिया। उन्होंने काफ़ी लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में जारी रखने के लिए प्रसारित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना आबुल कलाम आजाद की जयती के उल्लक्ष में मानव जीवन तो ही जारी रखा है। 11 नवंबर 1888 को मूकवा में जन्मे मौलाना आजाद ने एक बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशन में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मूकवा से भारत आतंक के बाद आजाद ने एक विदेशी थे, बल्कि वैचारिक एवं सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय रूप से भागीदारी ने उन्हें एक स्वतंत्रता सेनानी बना दिया था, वहीं उनका प्रकारिता के प्रति भी विशेष रुझान था। उन्होंने कई प्रतिकाओं का संपादन किया और अपने ग्रांतिकारी विचारों को जन-जन तक पहुंचाया। 1912 में मौलाना आजाद ने 'अल-हिलाल' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका शुरू की, जिसका माध्यम से उन्होंने भारतीय मुसलमानों को राष्ट्रीय अंदाजेनाम को दिया। उन्होंने काफ़ी लोगों को शिक्षा का उनके जीवन में जारी रखने के लिए प्रसारित है और भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद, धर्मनिरपेक्षता के प्रबल समर्थक तथा स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना आबुल कलाम आजाद की जयती के उल्लक्ष में मानव जीवन तो ही जारी रखा है। 11 नवंबर 1888 को मूकवा में जन्मे मौलाना आजाद ने एक बहुत कम उम्र से ही लेखन और प्रकाशन म

सा

धना के अनेक मार्ग हैं, परंतु जो मार्ग सबसे सरल, सहज और हृदयस्पर्शी है- वह है श्रवण-भक्ति। भक्ति के दो प्रमुख संभ माने गए हैं- भजन और श्रवण। भजन आत्मा का गीत है और श्रवण उस गीत की प्रतिध्वनि। भजन में हृदय बोलता है और श्रवण में हृदय सुनता है। भजन करने के भी कई विधान हैं। यदि आपने गुरु धारण किया है, तो हरेक गुरु अपने शिष्य को भजन करने का भिन्न-भिन्न तरीका बताता है। यह तो सर्वविदित है कि भजन केवल भगवान के लिए ही किया जाता है। भगवत प्राप्ति अथवा मोक्ष, भजन का लक्ष्य होता है। भजन करने वाला जीव यह समझ ले कि भजन केवल भगवान के लिए ही किया जाना है। भजन, केवल भक्त के हृदय में बैठे भगवान के लिए ही होना चाहिए। भजन की उच्चतम स्थिति है, भगवान का वियोग, जो भक्त प्रभु का वियोग एक पल भी न सह सके- वही सही भजन करने का उत्तराधिकारी है।



अशोक सुरी  
आध्यात्मिक लेखक



## कथा श्रवण

# भक्ति-साधना का मुख्य साधन

भक्ति अथवा साधना का मुख्य साधन है- कथा श्रवण। कथाओं में सर्वोत्तम कथा श्रीमद्भागवत बताई गई है। श्रीमद्भागवत परम संहिता है इसे पंचम वेद की संज्ञा दी जाती है। यह परममहसो का धन है। प्रभु की कथा सुनने से भक्त की सूक्ष्म दृष्टि प्रभु में लग जाती है। सांसारिक दृष्टि से उसकी मृत्यु हो जाती है। भागवत-कथा अमृत है, जिसे पूर्णलूपेय पीना पड़ता है। कथा श्रवण भौतिक अमृत है, इसका भी लाभ मिलता है, परंतु कथा श्रवण का पूर्ण लाभ कथा को अपने हृदय में धारण करने से प्राप्त होता है। भजन की तह दृष्टि कथा को भी पचाना पड़ता है। जिस प्रकार भजन पचने के उपरांत शरीर को लाभ देता है, उसी प्रकार जब कथा श्रवण के उपरांत हृदय में पच जाती है, तभी उसका प्रतिफल प्राप्त होता है। भागवत कथा श्रवण करने से जीव

के जन्म-जन्म के पाप का हरण होता है एवं मंगल को प्राप्त होता है। आजकल नगरों में और मंदिरों में भागवत कथा के आयोजन की प्रथा बहुतायत में हो रही है। इस आयोजन को हम आयोजक अथवा यजमान द्वारा किया गया कथा का दान भी कह सकते हैं। कथा का दान भी परम कल्याणकारी है। कथा का आयोजन यज्ञ के समान पुण्यदायक है। यद्यपि यह दान समर्थ और योग्य व्यक्ति ही कर सकते हैं। कथा आयोजन से हजारों भक्तों को कथा श्रवण का लाभ मिलता है, जिसका पुण्य लाभ कथा आयोजक के हिस्से में भी निश्चित रूप से आता है। निष्काम भाव से किया गया भागवत कथा आयोजन राजसूय यज्ञ के पुण्य लाभ के बराबर होता है। कथा के आयोजन से भक्त अपने साथ-साथ अपने पूर्णों का भी उद्धर कर लता है। कृति के द्वारा कर्ता तो रहता है, परंतु कर्म से व्यक्ति अमर हो जाता है।

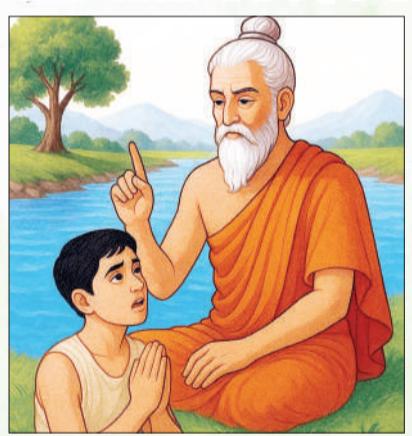
रामकथा, भागवत, भक्तमाल आदि कथाओं में सार्वानुष्ठान करने से जीव

होता है। अंदर बढ़ता है, श्रवण से। जब किसी महापुरुष अथवा संत द्वारा उत्तमी अनुभूति से युक्त शब्दों द्वारा कथा का वाचन एवं श्रीताओं द्वारा श्रवण होता है तभी कथासार अंदर बैठता है। जैसे हमें शिक्षा प्राप्ति के समय हमारे गुरुजन बोलकर पढ़ते हैं और विद्यार्थी श्रवण करके ही विद्या प्राप्त करते हैं। विना श्रवण किए विद्या प्राप्त नहीं हो सकती है और जैसे श्रुताली स्वर्य पहले खाकर आती है और फिर चबाकर अपने बच्चों के मुख में डाल देती है, तो वह बच्चों को हजम हो जाता है। दीक उसी प्रकार संत सद्गुरु पहले ग्रन्थों को आत्मसात करते हैं और तदुपरांत औरों को श्रवण करते हैं। परंतु केवल सुनने मात्र से ही कथा से आत्म साक्षात्कार नहीं होता अपितु कथा को मनन करने एवं हृदय में धारण करने से होता है। त्रिवर्ण भवधारणा की उपासना करते हैं तो श्रवण ही है। श्रवण भवधारणा की एक प्रथम अधिकारी बनना पड़ता है और यह होता है, सत्य और संत कृपा से।



### पौराणिक कथा

#### बोध कथा



एक बार की बात है। एक गांव में प्रजा प्रकाश नाम के एक विद्वान महोदय होते थे। घर-धार्या से संबंध तो थे ही, लेकिन ज्ञान उनके पास इतना था कि दूर-दूर से लोग अपनी समस्याओं का समाधान करने उनके पास आते थे। अपने अनुभव और ज्ञान से प्रजा प्रकाश लोगों की समस्याओं का समाधान करते थे। इसलिए सभी उनको गुरुजी कहकर संबोधित करते थे।

एक दिन की बात है। एक नववृक्ष के गुरुजी के पास आया और बोला- “गुरुजी मुझे सफलता का रहस्य बताइए, मैं चाहता हूं कि मैं भी आपको तह विद्वान भवति।” गुरुजी मुस्कुराएं और उन्होंने उसे दुर्घटना प्राप्ति का मान दिया। युवक को भी नहाना था इसलिए वह भी अपने वास लेकर दुसरे दिन प्राप्ति काल नहीं किनारे पहुंच गया। गुरुजी उस युवक को नहीं के गहरे पानी में ले गए, जहां पानी गले के ऊपर निकल गया तो उन्होंने उसे डुबो दिया। योगी देर युवक छपटाया फिर उन्होंने उसे छोड़ दिया। युवक हाफत-हाफत का नदी से बाहर आगा। जब उसे सुध आई तो बोला- “आप मुझे मानना क्यों चाहते हैं?” गुरुजी बोले- “नहीं भाई, मैं तो तुम्हें सफलता का रहस्य बता रहा था। अच्छा बातों? जब मैंने तुम्हारी गर्दन पानी में डुबो दी थी, उस समय तुम्हें सबसे ज्यादा इच्छा किस चीज की रही थी?” युवक बोले- “सासं लेने की।” गुरुजी बोले- “बस यही सफलता का रहस्य है। जब उसे दिलचस्पी हो जाती है तो उसे अपका बेद्दंहा चाहा जारी है। मतलब हर समय आपको उसे पाने के बारे में सोचना चाहिए। अगर ऐसा नहीं है, तो शायद आप उसे देर से पानो या शायद न भी पाओ।”

### सप्ताह के प्रमुख व्रत

#### कालभैरव जयंती- 12 नवंबर

भगवान कालभैरव को भगवान शिव का उग्र स्वरूप माना जाता है। धर्मग्रन्थों में भगवान कालभैरव को समय एवं मृत्यु के रूप में वर्णित किया गया है। भैरव का शाविक अथवा भूत को नष्ट करने वाला होता है। तत्र मार्म भैरव तंत्र उपासना का ख्यान सर्वोपरि माना जाता है। भूत, प्रत, पिशाच आदि रक्षा यथा शूरुओं पर विजय प्राप्ति होती है। भगवान कालभैरव का पूजन किया जाता है, जो मनुष्य श्रद्धापूर्वक भगवान कालभैरव की उपासना करता है उसके वह निर्भीक हो जाता है। तथा उसके मन में योग्य समर्पण होता है। ज्ञान भी जाता है।

#### उत्पन्ना एकादशी- 16 नवंबर

उत्पन्ना एकादशी का व्रत हिंदू धर्म में अत्यन्त पवित्र माना जाता है। यह न केवल भगवान विष्णु की उपासना का दिन है, बल्कि देवी एकादशी के प्राकृतकार्य का उत्त्वव भी है। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि को यह व्रत किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसी दिन भगवान विष्णु की योगमाया शक्ति देवी एकादशी का जन्म हुआ था, जिन्होंने असूर मुरामक राक्षस का राक्षस किया था। यही कारण है कि इस देवी एकादशी की जन्मता द्वारा योग्य श्रद्धापूर्वक भगवान कालभैरव की उपासना करता है उसके वह निर्भीक हो जाता है। पौराणिक मार्यादा है कि उत्पन्ना एकादशी से ही वर्षभर की सभी एकादशियों की परपरा प्रारंभ हुई। इस व्रत के पालन से भक्तों को न केवल पापों से मुक्ति मिलती है, बल्कि मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी प्राप्त होता है।



स्वर में कहा- “यहां मैं राजा नहीं, केवल दास हूं। मुझे अपना धर्म निभाना होता है।”

तभी आकाशवाणी हुई- “राजन, तुम्हारी परीक्षा पूरी हुई। तुमने सत्य और धर्म की रक्षा के लिए जो कष्ट सहे, वह संसार के लिए उदाहरण है।” देवता प्रकट हुए, पुत्र जीवित हो गया और हरिश्चन्द्र को पुनः उनका राज्य मिला।

-फीचर डेरक

### सत्य का प्रकाश

राजा हरिश्चन्द्र वे अपने सत्य, न्याय और वचनपालन के लिए पूरे आर्यवर्त में प्रसिद्ध थे। उनके गांव में कोई दुखी नहीं था, सब सुख और शान्ति से जीवन व्यतीत करते थे। एक दिन महर्षि विश्वामित्र ने उनकी परीक्षा लेने का निश्चय किया। उन्होंने राजा के पास जाकर कहा- “हे राजन, तुमने एक यज्ञ के समय मुझे दान देने का वचन दिया था। अब मैं वही दान देने आया हूं।” राजा ने विनम्रता से कहा, “ऋषिवर, आप जो चाहें, मैं देने को तपत्व हूं।” विश्वामित्र ने कहा- “मुझे अपना सारा राज्य चाहिए।” हरिश्चन्द्र ने बिना विलंब किए कहा- “ऋषिवर, राज्य आपका है।” उन्होंने अपना सिंहासन त्याग दिया। और अपनी पत्नी तारामती तथा उत्तर रोहिणी के साथ वनरी चाहे दुहुर तक पचने के उपरांत शरीर को लाभ देता है, उसी प्रकार जब राजा वनरी के साथ वनरी चाहे दुहुर तक पचने के उपरांत शरीर को लाभ देता है। राजा ने गंभीर

प्रतिक्रिया दी- “तुम्हारी नियमों के अनुसार शवदाह शुल्क देना होगा।” तारामती रो पड़ी- “मैं तुम्हारी पत्नी हूं, यह तुम्हारा पुत्र है।” राजा ने गंभीर

प्रतिक्रिया दी- “तुम्हारी नियमों के अनुसार शवदाह शुल्क देना होगा।”

तारा ने गंभीर

प्रतिक्रिया दी- “तुम्हारी नियमों के अनुसार शवदाह शुल्क देना होगा।”

तारा ने गंभीर







25 खेलों में 320 सहायक क्रांति की नियुक्ति को मजूरी दी गई है। जल कीड़ा, साविकांगा और टीसर जैसे खेल सहित उन खेलों को प्राथमिकता दी जाएगी जिसमें भारतीय खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया हैं लेकिन उनमें पदक जीतने की आपार संभावनाएँ हैं।

-मनसुख मांडविया, खेल मंत्री

## हाईलाइट

### लेवाडोव्स्की की हैट्रिक से बार्सिलोना जीता

मैडिंड रार्बेर्ट लेवाडोव्स्की की हैट्रिक की मदद से बार्सिलोना शानदार जीत हासिल करके स्पेनी लीग मुट्टबॉल ट्रॉफी में शीर्ष पर काबिज रियाल मैडिंड के करीब पहुंच गया है।

रियाल मैडिंड की अपनी बढ़त मजबूत करने की उम्मीद को तब करारा झटका लगा जब रायो बेलेकानो ने उसे गोलरहित डॉन पर रोक दिया। इसके बाद लेवाडोव्स्की और लेमिन यामल ने बार्सिलोना को सेल्टा विरो पर 4-2 से जीत दिलाई। इससे बार्सिलोना और रियाल मैडिंड के बीच कंबल तीन अंक का अंतर ह गया है। बार्सिलोना से हार झीलने के कारण सेल्टा की सभी ट्रॉफी में लालाचा पाच मैचों की जीत का सिलसिला रुक गया।

लिलारियल ने एप्पेण्योला को 2-0 से हराकर लीग में नाबाद तीसरी जीत हासिल की।

### मनु भाकर व ईशा सिंह पदक से चूकीं

काहिंगा दो बार की ओलंपिक पदक विजेता नियोजन भाकर मनु भाकर और कई एशियाई खेलों की पदक विजेता ईशा सिंह सोविवार को यहा आईएसएसएफ विश्व वींपिएप में महिलाओं की 10 मीटर एप्प एप्पल फाइनल में पदक जीतने से चूक गई। पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एप्प पिस्टल रेकिट और मिश्रित टीम कार्यक्रम पदक विजेता मनु का फाइनल में प्रदर्शन अच्छा था लेकिन 14वें नियोने में 8.8 का खराब रक्कीर करने के कारण वह स्थिर स्थान से फिसिकर सातवें स्थान पर आ गई और 139.5 अंक के साथ पदक की दौड़ से बाहर हो गई।

**न्यूजीलैंड-वेस्टइंडीज के बीच मैच रद्द**  
नेटवर्क (न्यूजीलैंड): न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच लीग-टी-20 और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच व्हाइटरेशन के कारण रद्द कर दिया गया। न्यूजीलैंड की टीम पांच मैच की सीरीज में अभी 2-1 से जीते हैं। सीरीज का पांचवा और आखिरी मैच यूक्रेन को ड्रॉनिंग के युनिवर्सिटी अवॉर में खेला जाएगा। वेस्टइंडीज ने पहला मैच सात रन से जीता था। न्यूजीलैंड ने दूसरा मैच तीन रन से और रिवर्सर को लीग-टी-20 में लेकिन वेस्टइंडीज के लिए जीता। न्यूजीलैंड ने पहला मैच तीन रन से जीता। न्यूजीलैंड ने सोमवार को लीग-टी-20 में लेकिन वेस्टइंडीज ने दूसरा मैच तीन रन से और रिवर्सर को लीग-टी-20 में लेकिन वेस्टइंडीज के लिए जीता। न्यूजीलैंड ने एक बीच खेलने के बाद कप्तान लेकिन वेस्टइंडीज ने एक बीच खेलने के बाद कप्तान।



न्यूजीलैंड के विनो डिमोमी का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते उपर के खिलाड़ी।

हल्द्वानी, मंगलवार 11 नवंबर 2025

# स्टेडियम

## अमृत विचार

www.amritvichar.com

### उपर ने नागालैंड को तीसरे ही दिन निबटा दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी मुकाबले के तीसरे ही दिन नागालैंड को पारी और 265 रनों से हरा दिया। बल्लेबाजों के धमाकेदार प्रदर्शन के बाद गेंदबाजों के कहर बरपायी गेंदों के दम पर नागालैंड को दोनों पारियों में सस्ते में निपटाकर सीजन की पहली जीत हासिल की।

उत्तर प्रदेश ने 6 विकेट पर 535 रनों पर पहली पारी चौथी करने के बाद नागालैंड की पहली पारी 117 और दूसरी 153 रनों पर सिमट गई। इस मैच में नाबाद 101 रनों की शतकीय पारी व पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले शिवम मारी ने 18 रन देकर पांच, करन शर्मा ने तीन, अकिब खान ने दो विकेट लेकर टीम को तीसरे ही दिन जीत दिलाया में अहम भूमिका निभायी।



RANJI TROPHY

- कानपुर के ग्रीनपार्क में मेजबानों की पारी और 265 रनों से बड़ी जीत
- शतकीय पारी खेलने के साथ पांच विकेट लेने वाले शिवम मारी बने प्लेयर ऑफ द मैच

इससे पहले पहली पारी में 418 रनों की लीड लेने के बाद उत्तर प्रदेश ने फॉलोऑन देते हुए नागालैंड को दोबारा खेलने को बुलाया और उसकी दूसरी पारी भी 51.1 ओवर में 153 रनों पर सेटेकर एक पारी वर्ते 16 रनों की शानदार जीत हासिल की।

दूसरी पारी में नागालैंड से चेतन विष्ट ने सर्वाधिक 53 रन बनाए वही निश्चल ने 23, सेंडेजेली ने 15, याघर ने 15, इन्स्ट्रीवित ने 18 और रोनित मेरे ने नाबाद 12 रन बनाए। उपर से शिवम शर्मा ने 25 रन देकर पांच, करन शर्मा ने तीन, अकिब खान ने दो विकेट लेकर टीम को तीसरे ही दिन जीत दिलाया में अहम भूमिका निभायी।

महिला टीम को जल्द मिलेगा विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच नई दिल्ली। विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम को निकट भविष्य में अपना पहला विदेशी स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने की पूरी संभावना है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही बैगलुरु स्थित उत्तराखण्ड केंद्र (सीओआई) में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग विभाग में कई भवित्वों की है। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, बांगलादेश पुरुष टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मानने की जीत ली गयी। इसके लिए विदेशी खेलों के लिए तेज सहत माना जाता है जो जोड़े द्वारा एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। मॉडो ट्रैक एक एकादिविक्स के लिए तेज सहत माना जाता है जो जोड़े द्वारा एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। इससे अधिक खेलों के लिए भी मजबानी की है, लेकिन नकीनी कारोबारों से आईसीसी ने इसे खेल के लिए अनुप्रयत्न करवा दिया। इस एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके 1984 और 1991 में कुछ क्रिकेट एकादिविक्स में खेलों की भी मजबानी की है, लेकिन नकीनी कारोबारों से आईसीसी ने इसे खेल के लिए अनुप्रयत्न करवा दिया। इस एकादिविक्स का उपयोग गेर-खेल व्हाइसिंग की विधियों के लिए भी किया जाता है और यहां नियमित रूप से भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय गायों के संगीत कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

### गैरवशाली रहा है जेएलएन का इतिहास जर्जर ढांचे का किया जाएगा पुनर्निर्माण

सूत्र ने बताया जेएलएन परियोजना भी बड़े पैमाने पर हो गयी। इस परियोजना से यह सुनिश्चित होगा कि जेएलएन के अंदर जो मौजूदा बुनियादी ढांचा जर्जर हो रहा है, उसका पुनर्निर्माण हो सके। जेएलएन रेट्रियम का निर्माण 1982 में आयोजित एशियाई खेलों के लिए किया गया था। इस बाद में 2010 के राष्ट्रमंड़ण खेलों की मेजबानी की, जिसके लिए इसे 900 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से पुनर्निर्मित किया गया था। इस रेट्रियम ने हाल ही में विश्व पैरा-एथलेटिक्स वींपिएप की मेजबानी की। इसके लिए इसे मोड़े ट्रैक एकादिविक्स का लिए तेज सहत माना जाता है जो जोड़े द्वारा एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। मॉडो ट्रैक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके 1984 और 1991 में कुछ क्रिकेट एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके लिए अनुप्रयत्न करवा दिया था। इस एकादिविक्स का उपयोग गेर-खेल व्हाइसिंग की विधियों के लिए भी किया जाता है और यहां नियमित रूप से भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय गायों के संगीत कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

भी है। ऑस्ट्रेलिया की बहुउद्देशीय मूल्यवानी के लिए एकादिविक्स की सुविधाओं में मेलबर्न स्थित डॉकलैंड्स स्टेडियम शामिल है, जो क्रिकेट, ऑस्ट्रेलियाई फटबॉल, राजी और फटबॉल की मजबानी की। इसके लिए एकादिविक्स की मेजबानी की है। डॉकलैंड्स के लिए तेज सहत माना जाता है जो जोड़े द्वारा एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण प्राप्त किया गया। मॉडो ट्रैक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके लिए अनुप्रयत्न करवा दिया था। इसके लिए एकादिविक्स की मेजबानी की है। डॉकलैंड्स के लिए एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके लिए एकादिविक्स की मेजबानी की है। डॉकलैंड्स के लिए एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके लिए एकादिविक्स की मेजबानी की है। डॉकलैंड्स के लिए एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके लिए एकादिविक्स की मेजबानी की है। डॉकलैंड्स के लिए एक एकादिविक्स की सुविधाओं के साथ एक फटबॉल पिंप भी है जहां राट्टीय और अंतर्राष्ट्रीय तरह के खेल आयोजित किया गया है। इसके लिए एकादिविक्स की मेजबानी